IMPORTANCE OF VACCINATION IN TEENS WITH INTERNATIONAL SPEAKERS IN JAIPUR

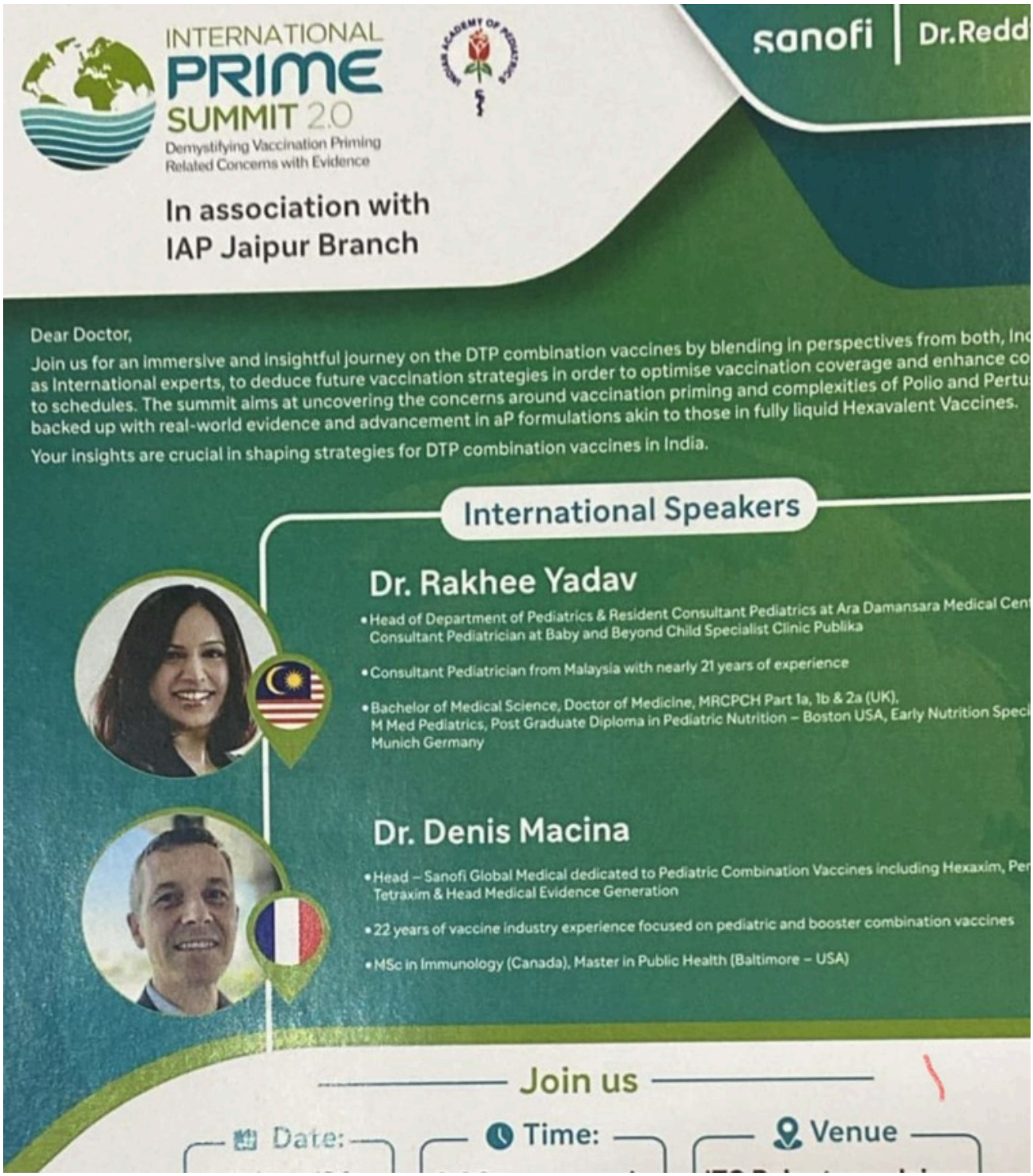

SEMINOR WITH MEDIA AND GENERAL PUBLIC ON PROTECTION OF HPV BY JAIPUR IAP

जयपुर में चिकित्सा विशेषज्ञों ने अभियान की आवाज को मजबूती देते हुए एचपीवी से जुड़े कैंसर

दिव्य राष्ट्र

जयपुर। सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के देशव्यापी जन स्वास्थ्य अभियान के तहत बुधवार को जयपुर में 'कॉन्कर एचपीवी एंड कैंसर कॉन्क्लेव 2025' लॉन्च किया गया। इस अभियान का लक्ष्य ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एचपीवी) के प्रति और यह वाइरस किस तरह सर्वाइकल और अन्य तरह के कैंसर का कारण बनता है उसे लेकर जागरूकता पैदा करना है। इस अभियान का मकसद लोगों में यह जागरूकता लाना है कि जल्दी इलाज के लिए कदम उठाकर इसे कैसे रोका जा सकता है। भारत भी एचपीवी से संबंधित बीमारियों का बोझ सह रहा है और खास तौर पर सर्वाइकल कैंसर से प्रभावित आबादी की संख्या खासी है। देश में कैंसर से होने वाली महिलाओं की मौतों का यह दूसरा सबसे कारण है। आईसीओ/आईएआरसी इनफार्मेशन सेंटर ऑन एचपीवी एंड कैंसर के मुताबिक भारत में हर साल 1.23 लाख से ज्यादा सर्वाइकल कैंसर के मामले सामने आते हैं और इनमें 77,000 मौतें होती हैं इसके अलावा गुदा कैंसर के 90% मामले और लिंग कैंसर के 63% मामले एचपीवीसे जुड़े होते हैं। कॉन्क्लेव की यह

शृंखला सभी चिकित्सकीय विशेषज्ञों, स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों और स्थानीय स्तर पर काम करने वाली सोसाइटी को एक मंच प्रदान करती है कि वे आपस में बातचीत और जानकारी को साझा करके इस खतरनाक चुनौती से निपटने के लिए एकजुट हों। जयपुर के आयोजन में, एचपीवी के मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर विस्तार से चर्चा हुई। इस पैनल में अपोलो मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल के कंसल्टेंट बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अपूर्वा टाक - एमसीएच, डॉ.एनबी (गायनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी), एमएनएमएस, एडिशनल कंसल्टेंट 5 सर्जिकल (गायनेकोलॉजी) ऑन्कोलॉजी, भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, डॉ. आशीष अग्रवाल - सीनियर कंसल्टेंट, नियोक्लिनिक चिल्ड्रन सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, डॉ. मोहित खोहरा - डायरेक्टर- सशक्त चाइल्ड केयर, गैस्ट्रो एंड लिवर सेंटर और सचिव - जयपुर आईएपी के साथ डॉ. अंशु पटोदिया - सीनियर कंसल्टेंट, मीरा हॉस्पिटल; जनरल सेक्रेटरी- आईएससीसीपी, राजस्थान स्टेट ब्रांच और डॉ. वीना आचार्य - सीनियर कंसल्टेंट और हेड, ऑब्सट एंड गायनेक प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजिस्ट, राजस्थान हॉस्पिटल, और गवर्निंग काउंसिल आईसीएमसीएच, नएआरसीएचआई, इंडिया की चेयरपर्सन। सत्र का संचालन इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ के बाल रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. जयदीप चौधरी ने किया। सभी ने इस वाइरस को लेकर तुरंत जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता, किशोरों और माता-पिता दोनों तक पहुंचने के महत्व और इससे बचाव में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। सभी वक्ताओं ने इस बात पर भी जोर दिया कि एचपीवी सिर्फ सर्वाइकल कैंसर तक ही सीमित नहीं है। यह वल्वा, वैजाइना, ऐनस (गुदा), लिंग और ओरोफेरिंक्स (मुख-इसनी) के कैंसर से भी जुड़ा है, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को प्रभावित करता है। 15 से 25 वर्ष की आयु के बीच एचपीवी संक्रमण की आशंका सबसे ज्यादा होने के कारण, प्रारंभिक जागरूकता और समय पर इसे रोकने के लिए कदम उठाए जाना जरूरी है। जयपुरकॉन्क्लेव का समापन खुली चर्चा से हुआ जिसमें आमंत्रित लोगों ने भी भाग लिया। उनकी भागीदारी से इस अभियान के लक्ष्य- 'जागरूकता के साथ निर्णय लेने और सामुदायिक सहभागिता के जरिए रोके जा सकने वाले कैंसर को काबू में करना' को हासिल करने की दिशा में शानदार समर्थन मिला।

Troubled Skin Troubled Teen
Solutions to soothe adolescents

Key takeaways:

1. Adolescents differ from children and adults.
2. Troubled with search for identity.
3. More on social media, impulsive
4. Parents can help their adolescent children by listening to them, be approachable, courteous to them, and not humiliate them
5. Adolescents in turn should see parents as their benefactors, be courteous to them and share their feelings.
6. Acne vulgaris - Treatment (comedonal - topical antibiotic and topical benzoyl peroxide or retinoid; papular - topical plus oral antibiotic; nodulocystic would need oral retinoids and would need dermatologist opinion)
7. Alopecia areata - limited patchy alopecia would need topical potent steroid or topical JAK inhibitors

CME ON TEENAGE SKIN ISSUES